

Term-End Examination December, 2024

**MGPE-008: GANDHIAN APPROACH TO PEACE AND CONFLICT
RESOLUTION**

FINAL REVISION CLASS 01

IMPORTANT QUESTIONS WITH ANSWER

With Free PDF

How is untouchability an obstacle to the existence of a harmonious society ?

Untouchability is a social practice where certain individuals or groups are treated as "untouchables" or inferior because of their caste. This practice creates deep divisions within society and prevents social harmony.

1. Social Division and Inequality Untouchability divides society into higher and lower castes. Those labeled as "untouchables" are often denied equal rights, education, and opportunities. This leads to inequality, resentment, and a lack of unity.

सामाजिक विभाजन और असमानता

अछूतता समाज को ऊँची और नीची जातियों में बाँट देती है। "अछूत" कहे जाने वाले लोगों को अक्सर समान अधिकार, शिक्षा और अवसरों से वंचित किया जाता है। इससे असमानता, नाराजगी और एकता की कमी होती है।

2. Violation of Human Dignity Untouchability denies the basic human rights and dignity of individuals. It makes them feel inferior and unworthy, which harms their self-esteem and mental health. A harmonious society requires that every individual is treated with respect.

मानव गरिमा का उल्लंघन

अछूतता व्यक्तियों के बुनियादी मानव अधिकारों और गरिमा को नकारती है। इससे उन्हें हीन और अयोग्य महसूस कराया जाता है, जो उनके आत्म-सम्मान और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है। एक सामंजस्यपूर्ण समाज के लिए यह आवश्यक है कि हर व्यक्ति को सम्मान के साथ पेश आना चाहिए।

3. Hinders Social Cooperation When untouchability exists, people from different castes are unwilling to work together or form positive relationships. This prevents cooperation in schools, workplaces, and communities, which are essential for a harmonious society.

सामाजिक सहयोग में रुकावट

जब अछूतता मौजूद होती है, तो विभिन्न जातियों के लोग एक साथ काम करने या सकारात्मक रिश्ते बनाने के लिए तैयार नहीं होते। इससे स्कूलों, कार्यस्थलों और समुदायों में सहयोग की कमी होती है, जो एक सामंजस्यपूर्ण समाज के लिए आवश्यक है।

4. Economic Disparities Untouchability limits access to economic resources for certain groups, keeping them in poverty. This economic divide further deepens social tensions, making it hard for society to work together for collective progress.

आर्थिक असमानताएँ

अछूतता कुछ समूहों के लिए आर्थिक संसाधनों तक पहुँच को सीमित करती है, जिससे वे गरीबी में फँस जाते हैं। यह आर्थिक विभाजन सामाजिक तनाव को और बढ़ा देता है, जिससे समाज की सामूहिक प्रगति के लिए एक साथ काम करना मुश्किल हो जाता है।

5. Creates Psychological Barriers Untouchability creates a mental barrier between individuals. It fosters hatred, fear, and prejudice, which prevent people from forming strong, trusting relationships with each other, essential for peace and harmony.

मानसिक अवरोध उत्पन्न करना

अछूतता व्यक्तियों के बीच मानसिक अवरोध उत्पन्न करती है। यह नफ़रत, डर और पूर्वाग्रह को बढ़ावा देती है, जो लोगों को एक-दूसरे के साथ मजबूत, भरोसेमंद रिश्ते बनाने से रोकती है, जो शांति और सामंजस्य के लिए आवश्यक हैं।

Write a note on the feminist and environmental approaches to peace.

Feminist Approach to Peace

1. Focus on Gender Equality

Feminist peace theory stresses the need for equal rights and opportunities for women in all areas of life, including peace processes. It argues that true peace cannot be achieved without gender equality, as women are often left out of decision-making roles.

लिंग समानता पर ध्यान केंद्रित करना

नारीवादी शांति सिद्धांत यह जोर देता है कि जीवन के सभी क्षेत्रों में, विशेषकर शांति प्रक्रियाओं में महिलाओं के समान अधिकार और अवसर होने चाहिए। इसका कहना है कि असली शांति तब तक प्राप्त नहीं हो सकती जब तक लिंग समानता न हो, क्योंकि महिलाओं को अक्सर निर्णय-निर्माण की भूमिकाओं से बाहर रखा जाता है।

2. Women as Active Peacebuilders

Feminism stresses that women are key to building lasting peace. Women's experiences, perspectives, and contributions are essential in creating more inclusive and effective peace processes. Women's involvement can help address the root causes of conflicts, such as poverty and inequality.

महिलाओं को सक्रिय शांति निर्माणकर्ता के रूप में देखना

नारीवाद यह मानता है कि महिलाएँ स्थायी शांति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। महिलाओं के अनुभव, दृष्टिकोण और योगदान शांति प्रक्रियाओं को अधिक समावेशी और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। महिलाओं की भागीदारी संघर्षों के जड़ कारणों, जैसे गरीबी और असमानता, को हल करने में मदद कर सकती है।

3. Intersectionality in Peacebuilding

Feminist peace approaches also consider intersectionality, recognizing that women's experiences in conflict are influenced by factors like race, class, and ethnicity. This perspective ensures that peace solutions are tailored to the diverse experiences of women.

शांति निर्माण में इंटरसेक्सनैलिटी

नारीवादी शांति दृष्टिकोण इंटरसेक्सनैलिटी को भी मान्यता देते हैं, यह समझते हुए कि संघर्ष में महिलाओं के अनुभव जाति, वर्ग और नस्ल जैसे कारकों से प्रभावित होते हैं। यह दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि शांति समाधान महिलाओं के विविध अनुभवों के अनुसार तैयार किए जाएं।

Environmental Approach to Peace

1. Link Between Environment and Conflict

Environmental problems like climate change, deforestation, and water scarcity can create competition over resources, leading to conflicts between communities and nations. The environmental peace approach focuses on preventing these conflicts by promoting sustainable resource management.

पर्यावरण और संघर्ष के बीच संबंध

जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और जल की कमी जैसे पर्यावरणीय समस्याएँ संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा उत्पन्न कर सकती हैं, जिससे समुदायों और देशों के बीच संघर्ष हो सकता है। पर्यावरण शांति दृष्टिकोण इन संघर्षों को रोकने के लिए सतत संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

2. Sustainable Development for Peace

The environmental approach promotes sustainable development practices that ensure the availability of resources for future generations. By addressing environmental issues, societies can create a more stable and peaceful future.

शांति के लिए सतत विकास

पर्यावरण दृष्टिकोण सतत विकास के तरीकों को बढ़ावा देता है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं। पर्यावरणीय समस्याओं को हल करके, समाज एक अधिक स्थिर और शांतिपूर्ण भविष्य बना सकते हैं।

3. Cooperation and Conflict Prevention

This approach encourages international cooperation in managing shared environmental resources, such as water and forests. Working together to solve environmental challenges can help prevent conflicts and promote peace between countries and communities.

सहयोग और संघर्ष की रोकथाम

यह दृष्टिकोण साझा पर्यावरणीय संसाधनों, जैसे जल और वन, के प्रबंधन में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को

बढ़ावा देता है। पर्यावरणीय चुनौतियों को हल करने के लिए मिलकर काम करना संघर्षों को रोकने और देशों तथा समुदायों के बीच शांति बढ़ाने में मदद कर सकता है।

Write a note on United Nations Agenda for Peace.

The United Nations Agenda for Peace, introduced in 1992, focuses on promoting peace, security, and cooperation around the world. It emphasizes conflict prevention, peacebuilding, peacekeeping, and disarmament as key components for maintaining global peace. The agenda aims to address the root causes of conflicts and help prevent violence and wars.

1. Conflict Prevention

The Agenda for Peace stresses the importance of preventing conflicts before they start. This involves diplomatic efforts, early warning systems, and addressing political, social, and economic issues that may lead to violence. The UN encourages countries to work together to resolve disputes peacefully.

संघर्ष की रोकथाम

शांति के एजेंडा में संघर्षों को शुरू होने से पहले ही रोकने पर जोर दिया गया है। इसमें कूटनीतिक प्रयासों, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों, और उन राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का समाधान करना शामिल है जो हिंसा का कारण बन सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र देशों को आपसी विवादों को शांति से सुलझाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

2. Peacekeeping Operations

Peacekeeping is one of the main strategies of the Agenda for Peace. The UN deploys peacekeeping forces to conflict zones to maintain stability, protect civilians, and support the implementation of peace agreements. Peacekeepers help create conditions where lasting peace can be built.

शांति स्थापना संचालन

शांति स्थापना शांति के एजेंडा की मुख्य रणनीतियों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना बलों को संघर्ष क्षेत्रों में तैनात करता है ताकि स्थिरता बनाए रखी जा सके, नागरिकों की सुरक्षा की जा सके, और शांति समझौतों को लागू करने में मदद की जा सके। शांति सेनानी स्थायी शांति बनाने के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ उत्पन्न करने में मदद करते हैं।

3. Peacebuilding and Post-Conflict Reconstruction

The Agenda for Peace also emphasizes the need for rebuilding societies after a conflict. Peacebuilding involves creating strong institutions, ensuring justice, and fostering social reconciliation. This is essential for preventing the recurrence of violence and ensuring long-term peace.

शांति निर्माण और संघर्ष के बाद पुनर्निर्माण

शांति के एजेंडा में संघर्ष के बाद समाजों को पुनर्निर्मित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है। शांति निर्माण में मजबूत संस्थानों का निर्माण, न्याय सुनिश्चित करना और सामाजिक सुलह को बढ़ावा देना शामिल है। यह हिंसा की पुनरावृत्ति को रोकने और दीर्घकालिक शांति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

4. Disarmament

The Agenda stresses the importance of reducing and eliminating weapons, especially weapons of mass destruction like nuclear weapons. Disarmament is seen as an important step in reducing the threat of war and promoting global security.

विघटन

एजेंडा में हथियारों, विशेषकर परमाणु हथियारों जैसे सामूहिक विनाश के हथियारों को कम करने और समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। विघटन को युद्ध के खतरे को कम करने और वैश्विक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है।

5. Strengthening International Cooperation

The Agenda for Peace highlights the role of international cooperation in maintaining peace. It calls for stronger collaboration between the UN, member states, and regional organizations to address global challenges and promote peace.

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना

शांति के एजेंडा में शांति बनाए रखने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की भूमिका पर जोर दिया गया है। यह संयुक्त राष्ट्र, सदस्य देशों और क्षेत्रीय संगठनों के बीच मजबूत सहयोग की आवश्यकता को उजागर करता है ताकि वैश्विक चुनौतियों का समाधान किया जा सके और शांति को बढ़ावा दिया जा सके।

WRITE SHORT NOTE ON : CHIPKOO MOVEMENT

The Chipko Movement was an environmental movement that started in India in the 1970s. It aimed to protect trees and forests from being cut down by industries and contractors.

The name "Chipko" means "to hug" in Hindi, and it refers to the action of people hugging trees to prevent them from being felled.

1. Origin of the Movement

The Chipko Movement began in 1973 in the village of Mandal in Uttarakhand, where local women protested against the cutting of trees by hugging them. The movement spread to other regions of India, with the main goal of stopping deforestation and protecting natural resources.

आंदोलन की उत्पत्ति

चिपको आंदोलन 1973 में उत्तराखंड के मंडल गांव में शुरू हुआ, जहाँ स्थानीय महिलाओं ने पेड़ों को गले लगाकर उनके काटने के खिलाफ विरोध किया। यह आंदोलन भारत के अन्य हिस्सों में भी फैल गया, जिसका मुख्य उद्देश्य जंगलों की कटाई को रोकना और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना था।

2. Role of Women

Women played a central role in the Chipko Movement. They were the ones who led the protests and formed human chains around the trees to stop loggers. The movement highlighted the role of women in protecting the environment and their deep connection with nature.

महिलाओं की भूमिका

महिलाओं ने चिपको आंदोलन में केंद्रीय भूमिका निभाई। वे थीं जिन्होंने विरोध प्रदर्शन किए और लकड़हारे रोकने के लिए पेड़ों के चारों ओर मानव श्रृंखलाएँ बनाईं। इस आंदोलन ने पर्यावरण की रक्षा में महिलाओं की भूमिका और उनके प्रकृति के साथ गहरे संबंध को उजागर किया।

3. Environmental Awareness

The Chipko Movement helped raise awareness about the importance of trees and forests in maintaining ecological balance. It emphasized that forests are vital for the survival of humans and animals and that their destruction would lead to environmental disasters.

पर्यावरणीय जागरूकता

चिपको आंदोलन ने पेड़ों और जंगलों के पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने में महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई। इसने यह बताया कि जंगलों का संरक्षण मनुष्यों और जानवरों दोनों के अस्तित्व के लिए आवश्यक है और इनकी विनाश से पर्यावरणीय आपदाएँ हो सकती हैं।

4. Success and Impact

The Chipko Movement succeeded in preventing the felling of trees in several areas. It also influenced future environmental movements in India and around the world. The movement led to changes in forest management policies and the promotion of sustainable development.

सफलता और प्रभाव

चिपको आंदोलन ने कई क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई को रोकने में सफलता हासिल की। इसने भारत और दुनिया भर में भविष्य के पर्यावरणीय आंदोलनों को प्रभावित किया। इस आंदोलन ने जंगलों के प्रबंधन नीतियों में बदलाव और सतत विकास को बढ़ावा देने में मदद की।

FOR PDF

hindustanknowledge.com

join whatsapp channel for links

subscribe and like